वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 | अंक : 326 | रविवार 24 मार्च 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

होली है

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के कार्यकाल का 1 वर्ष होने पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में मनाया जश्न

आतिशबाजी, पुष्पवर्षा और ढोल नगाड़ों के साथ हुआ भव्य स्वागत

सत्ता की जननी संगठन और संगठन की जननी कार्यकर्ता, भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता और प्रदेश की जनता का आभार-धन्यवाद। भाजपा का लक्ष्य 25 कमल खिलाकर विजयश्री की पुष्पों की माला पहनाएंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को: सीपी जोशी

जयपुर. शाबाश इंडिया

भाजपा मुख्यालय पर प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के सफलतम एक साल का कार्यकाल पूरा होने पर भाजपा संगठन ने विजय संकल्प दिवस के रूप में मनाया। प्रदेश कार्यालय पर प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के पहुंचने पर स्वागत करने के लिए कार्यकर्ताओं का हुजूम उमड़ पड़ा। युवा मोर्चा, महिला मोर्चा, एससी-एसटी मोर्चा, किसान मोर्चा, अल्पसंख्यक मोर्चा के साथ शहर अध्यक्ष राघव शर्मा तथा भाजपा कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी, पुष्पवर्षा और गुलाल उड़ाकर सीपी जोशी का स्वागत अभिनंदन किया, साथ ही ढोल-नगाड़ों के साथ चंग की थाप पर नाचते गाते हुए कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के जयकारे लगाए। इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार बनाने के लिए हम राजस्थान में कमल खिलाएंगे। अभिनदंन समारोह के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का आभार प्रकट करता हूं।

भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता और प्रदेश की जनता का आभार, धन्यवाद, जिसके कारण 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को उखाड़ कर कमल खिलाने का काम किया गया। प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान में डबल इंजन की सरकार बनी हैं। इससे राजस्थान प्रगति की ओर बढ़ रहा है। सरकार बनने के महज 90 दिनों के अंदर भाजपा ने संकल्प पत्र के 45 प्रतिशत काम कर दिए। इसके लिए भजनलाल सरकार की टीम भी बधाई की पात्र है, क्योंकि सत्ता की जननी संगठन और संगठन की जननी कार्यकर्ता होता है। प्रदेश के लाखों कार्यकर्ताओं ने पार्टी को मजबूती देने के लिए और दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनाने के लिए अपना सब कुछ दिया। इस लिए इनका भी अभिनंदन करता हूं।

पूर्व सांसद गोपाल सिंह इडवा ने समर्थकों के साथ ग्रहण की भाजपा की सदस्यता

विजय संकल्प दिवस कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस पार्टी के पूर्व सांसद गोपाल सिंह इडवा ने अपने समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने गोपाल सिंह इडवा को पार्टी का दुपट्टा पहनाकर सदस्यता दिलवाई। इस दौरान ज्वाइंनिंग कमेटी के अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, लोकसभा चुनाव चुनाव सह प्रभारी विजया राहटकर की उपस्थिति में कांग्रेस प्रवक्ता सम्पत सिंह धमोरा, पूर्व विधायक जालम सिंह रावलोत, अलवर रामगढ के विधानसभा प्रत्याशी सुखवंत सिंह, विजय मीणा, एसटी मोर्चा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष जितेंद्र मीणा, कांग्रेस से भुसावर नगर पालिका चैयरमैन सुनीता देवी जाटव, जैतारण पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप सिंह चारण, आम आदमी पार्टी के प्रदेश कोषाध्यक्ष संजय बियानी सहित बड़ी संख्या में विभिन्न दलों के नेताओं ने भाजपा का दामन थामा। वहीं दूसरी ओर निर्दलीय विधायक चन्द्रभान सिंह आक्या, डॉ. ऋतु बानावत, जीवाराम चैधरी और गणेश बंसल ने भाजपा सरकार को समर्थन दिया। इस दौरान चित्तौडगढ़ से पूर्व भाजपा पदाधिकारियों को बहाल कर पुनः पार्टी की सदस्यता दिलवाई गई। इसमें पूर्व विधायक बद्री लाल जाट, पूर्व यूआईटी चैयरमैन सुरेश झंवर, पूर्व नगर परिषद चैयरमैन सुशील शर्मा, पूर्व प्रधान प्रवीण सिंह राठौड़ सहित 17 नेताओं की सदस्यता बहान की गई। इस दौरान कांग्रेस जयपुर महासचिव श्याम सतलानी, कांग्रेस जयपुर उपाध्यक्ष कमल कुमार जेठानी ने भी सदस्यता ग्रहण की। प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने 250 नेताओं को भाजपा की सदस्यता ग्रहण करवाई और निर्दलीय विधायकों के साथ इनका हार्दिक स्वागत और अभिनंदन किया।

सिद्ध चक्र महामंडल विधान महोत्सव का सप्तम दिवस सप्तम वलय के 512 अर्घ्य समर्पित किए गए

आज शनिवार को 1024 अर्घ्य चढ़ेंगे

किशनगढ़, अजमेर. शाबाश इंडिया

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर जी सिटी रोड़ में फाल्गुन मास की अष्टमी से प्रारम्भ अष्टानिका पर्व के अंतर्गत अष्ट दिवसीय श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान महोत्सव के आज सातवें दिन बहुत भक्तिभाव से विधान की पूजन हुयी। कार्यक्रम संयोजक इंदर चंद पाटनी ने बताया की विधान के पूर्व प्रातःकाल श्रीमद देवाधिदेव 1008 श्री आदिनाथ भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा संपन्न हुई। जिसका पुण्यार्जन विधान के सोधर्म इन्द्र आर. के. मार्बल परिवार, यज्ञनायक आनंद कुमार कनकलता बज परिवार एवं प्रति इंद्र धर्मचंद, कैलाशचंद, मनीष, नीलेश पहाड़िया परिवार को प्राप्त हुआ। तत्पश्चात विधान महोत्सव की पूजन प्रारंभ हुई इस विधान में श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर से पधारे उपाचार्य डॉक्टर किरण प्रकाश शास्त्री, अभिषेक भैया एवं रोहित भैया एवं अनिरुद्ध भैया के मार्ग निर्देशन में एवं सुप्रसिद्ध संगीतकार अजीत पांडया की मधुर सवर लहरियों के बीच विधान पूजन संपन्न कराई गई। इस अवसर पर आर. के. मार्बल परिवार से जैन गौरव अशोक पाटनी, विनीत पाटनी आदिनाथ पंचायत के अध्यक्ष प्रकाश चंद्र गंगवाल, मंत्री विनोद चौधरी, उपमंत्री इंदरचंद पाटनी, रमेश गंगवाल, रौनक गंगवाल, पंकज पहाड़िया, नरेश दगड़ा, सुभाष चौधरी, कमल सेठी, घीसालाल बड़जात्या के साथ सुशीला पाटनी, शांता पाटनी, शुचि पाटनी, मीना सेठी, उषा गोधा, रीना गंगवाल, बिना कासलीवाल, सारिका छाबड़ा, आशा काला, संतोष पाटनी सहित अनेक समाजजन उपस्थित थे।

<u>सांयकालीन महाआरती एवं सांस्कृतिक संध्याः</u> सांस्कृतिक कार्यक्रम संयोजक मोना झांझरी ने बताया की सुजान महिला मंडल द्वारा महाआरती एवम सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई आज सबसे पहले शांता पाटनी ने आचार्य विद्यासागर जी महाराज को अपने भजन द्वारा भावांजलि दी। सभी भक्तगण भावुक हो गए उसके बाद सुज्ञान मंडल के निर्देशन में पाठशाला के बच्चे आर्या, प्रांजल, दीक्षा, हेमंत, मोक्ष, गोरल, सावी, वंशिका एवम महिमा ने एक भक्ति नृत्य की प्रस्तुती दी बच्चो के नृत्य ने सभी का मन मोह लिया सुज्ञान मंडल की सांस्कृतिक मंत्री आरती द्वारा बच्चो का कार्यक्रम तैयार करवाया गया। विधान संयोजक इंदरचंद पाटनी ने बताया कि विधान बहुत ही धूमधाम से भक्तिभाव से पूरी तन्मयता के साथ हो रहा है। आज विधान में विनय पाठ, देव शास्त्र गुरु, आदिनाथ भगवान की पूजा, नवदेवता पूजन के बाद श्री सिद्ध चक्र विधान की पूजन की गयी। मंडल जी पर सप्तम वलय के 512 अर्घ्य समर्पित किए गए।आज शनिवार को 1024 अर्घ्य चढ़ेंगे। आज के प्रति इन्द्र कजोड़ीमल, राजेन्द्र कुमार, महेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र कुमार गंगवाल परिवार सिराना वालें होंगे। विधान का सोमवार को विश्व शांति महायज्ञ, हवन एवं शोभायात्रा के साथ समापन होगा।

बिना निमित्त के उपादान दान की सिद्धि नहीं होती:मोक्ष सागर जी महाराज

सिद्ध क्षेत्र सम्मेद शिखर जी में जगत कल्याण की कामना के लिए हुई महाशान्ति धारा

मधुवन,सम्मेद शिखरजी. शाबाश इंडिया

तीर्थ राज सम्मेद शिखर में आज जगत कल्याण की कामना के लिए मूल नायक भगवान श्री पुष्पदंत स्वामी की महा शान्ति धारा उपाध्याय श्री विभ्जन सागर जी महाराज के श्री मुख से व्रहदमंत्रो के साथ कराईं गई । जिसका सौभाग्य मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ओम प्रकाश देवेन्द्र कुमार पवन कुमार सुनील कुमार धुर्रा अशोक नगर पीयूष जैन कोटा अशोक खादी आशीष खंडवा अरविंद कुमार भोपाल के साथ अन्य भक्तों को मिला।

आज हम सिद्धो की आराधना करते हुए मुनि श्री का सानिध्य मिल रहा है: विजय धुर्रा

इस दौरान मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि भारत वर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जैन राजनैतिक चेतना मंच के राष्ट्रीय कार्य अध्यक्ष हुकम काका कोटा ,राजेन्द्र कुमार प्रकाश हरसौरा परिवार ने 250 यात्रियो को सिद्ध क्षेत्र सम्मेद शिखर जी की वंदना करने का भाव बनाया और आज यहां हम सिद्धो की आराधना करते हुए दो सौ चोपन अर्घो का समर्पण करने जा रहे हैं हमारे सौभाग्य से आज आचार्य श्री सभंव सागर जी महाराज के शिष्य मुनि श्री मोक्ष सागर जी महाराज हमें आशीर्वाद देने आये है। पूज्य श्री कुछ अर्घो के मंत्रों के साथ ही हमें आशीर्वाद वचन देंगे इस दौरान मंडल पर अर्घ समर्पित करने का सौभाग्य पदम कुमार९ राजेन्द्र कुमार प्रकाश , हुकम काका हरसौरा, प्रतीक साक्षी हरसौरा, गोपाल एडवोकेट, चेतन उदयपुर, रितुराज , नीतेश सेठी अशोक खादी कैलाश जैन संजय दुगेरिया प्रदीप टोंग्या सुनील टोंक सहित अन्य भक्तों को मिला कृत कारित के साथ ही अनुमोदना तक करने वालो को भी पुण्य मिलता है। इसी दौरान आचार्य श्री सभंव सागर जी महाराज के शिष्य मुनि श्री मोक्ष सागर जी ने कहा कि विना निमित्त के उपादान की सिद्धि नहीं होती आप लोगों को तीर्थ राज की वंदना का निमित्त मिला और निमित्त वने राजेन्द्र कुमार प्रकाश जी हुकम काका निमित्त वने और आपको तीर्थ राज की वंदना का सौभाग्य प्राप्त हुआ कृत कारित और अनुमोदना करने वाले को भी पुण्य मिलता है फिर तो आप प्रातः काल से ही सिद्ध क्षेत्र में सिद्ध प्रभु की महा आराधना कर रहे हैं बहुत पुण्य से ऐसा योग मिलता है पाप से बचने के लिए सबसे पहले प्रमाद को छोड़कर धर्म कार्य करें प्रमाद के पंद्रह प्रकार कहे गये है इनको छोड़ कर भगवान की भक्ति करने से प्रशस्त पुण्य की प्राप्ति हो जायें चार विकथा इनको छोड़ कर आप भगवान की करें।

जैन ध्वज जिनमत तथा धर्म प्रभावना का प्रतीक

सनावद. शाबाश इंडिया

पार्श्वज्योति मंच ने विश्व जैन ध्वज दिवस पर कार्यक्रम आयोजित कर समाज में जैन धर्म की प्रभावना में पंचरंगी जैन ध्वज की महत्ता पर प्रकाश डाला। उपरोक्त जानकारी देते हुए प्रियम जैन ने बताया कि सर्वप्रथम सामूहिक ध्वज गीत गाया गया। जैन ध्वज को पांच रंगों का प्रतीक बताते हुए मंच के अध्यक्ष डॉ नरेन्द्र जैन भारती ने बताया कि यह पाँच रंग पंच परमेष्ठी के प्रतीक हैं तथा बीचों-बीच स्वास्तिक बना हुआ है। लाल, पीला, सफेद, हरा तथा नीला रंग शांति और सद्भावना तथा रत्नत्रय की ओर समाज का ध्यान आकर्षित करने का प्रतीक है। राजेश चौधरी ने बताया कि किसी भी धार्मिक आयोजन के शुभारंभ में जैन ध्वज फहराया जाता है। ''लहर लहर लहराए, केसरिया झंडा जिनमत का'' सामूहिक गायन किया जाता है। सलित जैन ने बताया कि "मंगलमय मंगलकारी, जिन शासन ध्वज लहराया, अनेकांत मय वस्तु व्यवस्था संशय तिमिर मिटाया " की भावना इस ध्वज के साथ जुड़ी हुई है है। धीरेंद्र बाकलीवाल, वैभव चौधरी, शुभम जैन ने ध्वज को आन बान और शान तथा अहिंसात्मक भक्ति भावना का प्रतीक बताते हुए कहा कि जैन समाज अहिंसा और शांति में विश्वास रखता है। धर्म प्रभावना में ध्वज की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कमलेश भुच, देवेंद्र पहाड़िया, नरेंद्र पंचोलिया, अंकित जैन आदि अनेक श्रद्धालु मौजूद थे।

जीवन में जिसके गुरु नही उसका जीवन शुरू नही: आचार्य सुंदर सागर

मनोज सोनी. शाबाश इंडिया

निंबाहेड़ा। जीवन में जिसके गुरु नही उसका जीवन शुरू नही गुरु ही होते है जो स्व को देखने का दर्पण होता है यह विचार यहां विराजित दिगंबराचार्य मुनि सुंदर सागर जी ने अपने प्रवचन के दौरान व्यक्त किए। आचार्य श्री प्रतिदिन आदर्श कॉलोनी स्थित शांतिनाथ जिनालय में प्रवचन कर रहे है।

आचार्य श्री सुंदर सागर जी का कहना है कि मानव मात्र को मोक्ष की राह और संयम पथ पर चलने का मार्ग गुरु ही बताता है इसलिए मानव को गुरु की शरण में ही रहना चाहिए। आत्म कल्याण के लिए भगवान के बताए मार्ग पर चलने की राह एक गुरु जितने अच्छे से बता सकता है दूसरा और कोई नही बता सकता। गुरु ही उसका पथ प्रदर्शक बन उसे सम्यक दृष्टि बना सकता है। सम्यक दृष्टि बनने के लिए मानव को अपने जीवन में छः आवश्यक तत्वों का प्रतिपादन करना बेहद जरूरी है। स्वाध्याय कर वह अपने जीवन को बेहद सुगम कर सकता है कषाय को मंद कर राग द्वेष को समाप्त कर सकता है गुरु के माध्यम से वीतराग देशना महावीर के काल में ही सुनने को मिलती है गुरु अपने प्रवचन के माध्यम से आगम की लिखी देशना की व्याख्या इसी लिए करता है प्राणी मात्र का कल्याण हो सके।

राष्ट्रीय संत आचार्य श्री 108 सुनील सागर जी मुनिराज ससंघ का मंगल प्रवेश मंगलवार सुबह विवेक विहार जैन मंदिर में होगा

मंगलवार का दिन महोत्सव के रूप में मनाया जाएगा

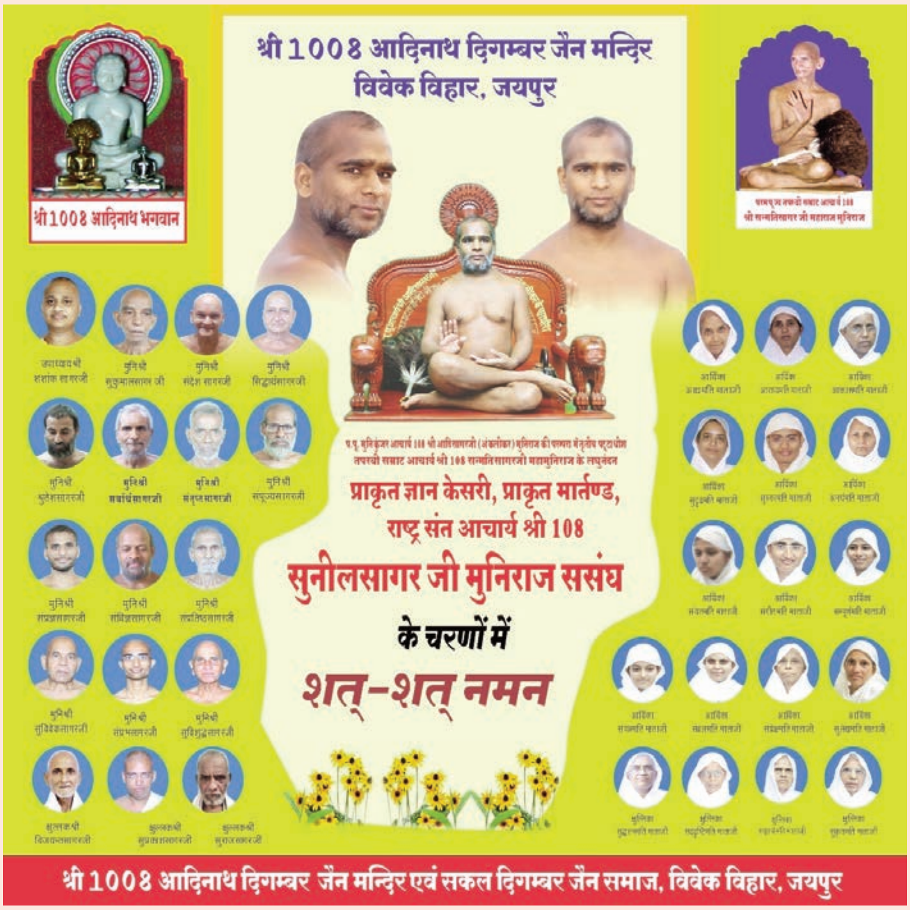

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर विवेक विहार में मंगलवार, 26 मार्च के दिन राष्ट्रसंत आचार्य श्री 108 सुनील सागर जी महाराज ससंघ का मंगल प्रवेश होगा। विवेक विहार दिगंबर जैन समाज के जॉइंट सेक्रेटरी नरेश जैन मेडता ने बताया कि राष्ट्रीय संत आचार्य श्री 108 सुनील सागर जी महाराज का मंगलवार को प्रातः काल सुबह 6:00 बजे सेठी कॉलोनी जैन मंदिर से विवेक विहार जैन मंदिर के लिए विहार होगा। नरेश जैन मेड़ता ने बताया कि आचार्य श्री ससंघ 8:00 बजे के लगभग श्यामनगर लजीज होटल के पास में पहुंचेंगे। लजीज होटल से जुलूस प्रारंभ होकर अहिंसा पार्क होते हुए विवेक विहार जैन मंदिर पहुंचेगा। महाराज श्री के आगमन से पूरे विवेक विहार, राधा विहार और श्याम नगर समाज में हर्ष का माहौल है। अध्यक्ष अनिल जैन आईआरएस, सेक्रेटरी सुरेंद्र पाटनी, कोषाध्यक्ष पारसमल छाबड़ा,नीरज ठौलिया, जॉइंट सेक्रेटरी दीपक सेठी, पारस गंगवाल, पंकज रारा, अमित ठोलिया,आशीष शाह, संजय पापड़ीवाला, जिनेंद्र छाबडा, दीपक कासलीवाल, धर्मचंद जैन, अनिल जैन, महिला मंडल सेक्रेटरी अलका पांडया, सुनीता कासलीवाल, मैना कासलीवाल,राजमती पाटनी सहित सदस्यों ने विभिन्न कार्यों का जायजा लिया।

कुदन में होली पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है...

सुधीर शर्मा की विशेष रिपोर्ट

सीकर जिले के कुदन गांव में होली पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। इस पर्व पर गांव में कई दिनों तक धमाल व गिदंड का प्रोग्राम चलता है जिसमें आसपास के गांवों के लोग भी शामिल होते हैं। इस कार्यक्रम में सभी उम्र के लोग शामिल होते हैं तथा सभी धर्मों के लोग शामिल होते हैं यह भाई-चारे की मिसाल है।यह सभी कार्यक्रम रात्रि में आयोजित किए जाते हैं। जिसमें अलग-अलग स्वांग लोग निकालते हैं। औरतें व बच्चियां भी शामिल होती है। साथ में बुजुर्ग लोग बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं। सबसे बड़ी बात यह गांव की सभी लोग होलीका दहन एक जगह किया जाता है चाहे गांव में किसी कोने में लोग रहते हो वो सभी लोग होली का दहन एक जगह करते हैं यह गांव की विशेषता है साथ शाम को 6बजे होली का दहन किया जाता है चाहे मुहूर्त कितने बजे का हो सभी धूलंडी पर सुबह मंदिर जाकर भगवान को रंग लगाकर उसके बाद एक दुसरे को प्रेम से रंग लगाकर होली खेलते और रामा श्यामा करते हैं।

वेद ज्ञान

खुद देवता बन जाना सरल

किसी देवता को रिझाने से ज्यादा खुद देवता बन जाना ज्यादा सरल है। देवता संस्कृत के दिव् धातु से बना है जिसका अर्थ प्रकाश है। सूर्य को प्रथम एवं प्रत्यक्ष देवता इसीलिए कहा गया है कि वह प्रकाश के साथ जड़-चेतन को ऊर्जा देता है। जब खुद के या किसी अन्य के जीवन में अंधेरा दिखाई पड़े तो उसे आत्मबल की ऊर्जा देकर कोई भी व्यक्ति देवता की श्रेणी में खड़ा हो सकता है। मानव जब देवी-देवता की पूजा-आराधना करता है तो इस बात पर जरूर ध्यान दे कि जिस देवी-देवता की पूजा की जा रही है वे क्यों पूजनीय हुए? जिन कार्यों से वे पूजनीय और वंदनीय हुए वही आचरण पूजक को अपने जीवन में अपना कर पूजनीय व्यक्तित्व बनाने का कार्य करना चाहिए। ऐसा नहीं कि हम पूजा तो भगवान विष्णु, भगवान शंकर, मां दुर्गा की करें और आचरण रावण, जालंधर या लंकिनी-डंकिनी का करें। यह तो और घातक है। रावण, कंस या धृतराष्ट्र जैसे प्रतापी राजा तक हर पल डरे-डरे रहते रहे। डर व्यक्ति के शरीर और मन पर घातक असर डालता है। कोई भी व्यक्ति छल-छद्म, धोखा-विश्वासघात, शोषण और उत्पीड़न में लगता है तो एक अज्ञात भय उसमें धीरे-धीरे समाने लगता है। जबकि सदाचार का जीवन जीने से आत्मबल मजबूत होता है। गोस्वामी तुलसीदास ने धीरज, धर्म, मित्र अरू नारि, आपदकल परिखहीं चारि चौपाई के माध्यम से यह संदेश दिया है कि जिंदगी में विपरीत स्थिति या अंधकार उक्त गुणों एवं मनुष्य की मनःस्थितियों की परीक्षा लेते हैं। इस हालत में सबसे पहले धैर्य बनाए रखना चाहिए। इसी के साथ सत्य एवं सदाचार को मजबूती से धारण रखना चाहिए। यदि इन सद्गुणों को छोड़कर आनन-फानन में बिना सोचे-समझे कोई नकारात्मक कदम उठा लेने पर उसके गंभीर परिणाम ही होंगे। फिर तो उसे छुपाने के लिए झूठ-फरेब का आवरण ओढ़ना पड़ता है जो मनुष्य को देवता नहीं दैत्य की श्रेणी में ले जाता है। मन में ग्लानि भी होने लगती है, लेकिन बाह्य स्तर पर आदर्श की बात करनी पड़ती है। जीवन में द्वंद्व उत्पन्न होता है। जो सर्वाधिक कष्टदायी स्थिति होती है। घर-परिवार या समाज में साहस के साथ खड़े होने में हिचक होती है।

संपादकीय

राज्यपाल और राज्यों के बीच की जंग बेहद घातक

तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि को अंततः सर्वोच्च न्यायालय की फटकार के बाद नियमों के अनुरूप आचरण के लिए मजबूर होना पड़ा। किसी भी स्तर पर नियमों की अनदेखी किसी न किसी चरण में भारी पड़ती है। तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने शुक्रवार दोपहर राज्य में सत्तारूढ़ द्रमुक के नेता पोनमुडी को राज्य मंत्रिमंडल में फिर से शामिल कर लिया। तमिलनाडु में जो हुआ, वह बहुत अफसोसजनक है। राज्यपाल ने पोनमुडी को मंत्री पद की शपथ दिलाने से इनकार कर दिया था। पोनमुडी को साल 2011 के एक मामले में दोषी पाया गया था और तीन साल की सजा भी सुनाई गई थी, लेकिन सजा पर सर्वोच्च अदालत ने रोक लगा दी, ऐसे में, पोनमुडी के मंत्रिमंडल में शामिल होने का रास्ता खुल गया था। पोनमुडी की तो सदस्यता भी चली गई थी, पर सजा पर रोक लगने के बाद वह कानूनन योग्य हो गए थे और मुख्यमंत्री को यह पूरा अधिकार है कि वह किसी विधायक को मंत्रिमंडल में शामिल कर सके। यह बात छिपी नहीं है कि तमिलनाडु की सरकार और वहां के राज्यपाल के बीच खींचातानी लगातार चल रही है। राज्यपाल किसी न किसी नियम या नैतिकता के बहाने राज्य सरकार की राह में अड़चन बनते रहे हैं। इसी मामले में राज्यपाल ने कहा था कि वह पोनमुडी को शपथ दिलाने में असमर्थ हैं, क्योंकि यह सांविधानिक नैतिकता के खिलाफ होगा। वह यह भी कह रहे थे कि सुप्रीम कोर्ट ने केवल सजा पर रोक लगाई है, सजा को पलटा नहीं है। राज्यपाल ने ही राज्य सरकार को सर्वोच्च न्यायालय जाने के लिए मजबूर किया। गुरुवार को प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ ने राज्यपाल रवि पर कड़ा प्रहार किया। यह कहना ही चाहिए कि राज्यपाल को नियमों के तहत पहले ही कार्रवाई करनी चाहिए थी, फटकार का मौका देकर राज्यपाल ने खुद को ही नैतिक रूप से कमजोर किया है। हमारे लोकतंत्र में अनेक परंपराएं दशकों से चली आ रही हैं, ऐसा माना जाता है कि राज्यपाल राज्य सरकार के साथ मिलकर ही काम करेगा। असंतोष जताने के अपने माध्यम हैं, पर राज्य सरकार के किसी फैसले में रोड़ा बनने की नौबत नहीं आनी चाहिए। तमिलनाडु का यह मामला तमाम राज्यपालों के लिए गौरतलब होना चाहिए। राज्यपाल न सिर्फ राज्य सरकार, बल्कि शीर्ष अदालत के भी प्रतिकूल व्यवहार कर रहे थे और उनके व्यवहार के प्रति सर्वोच्च न्यायालय ने गंभीर चिंता का इजहार किया। खैर, देर से ही सही, राज्यपाल ने अब यथोचित कार्रवाई की है और उन्हें आगे किसी भी तरह के अवरोध में शामिल नहीं होना चाहिए। शुक्रवार को अगर राज्यपाल नहीं मानते, तो सर्वोच्च न्यायालय ने साफ इशारा कर दिया था कि वह कड़े फैसले ले सकता है। ध्यान रहे, राज्यपाल के विरुद्ध पहले भी तमिलनाडु सरकार अदालत का दरवाजा खटखटा चुकी है। यह बात फिर स्पष्ट हुई है किएक बार जब न्यायालय द्वारा दोषसिद्धि के आदेश को निलंबित कर दिया जाता है, तब कोई दोषसिद्धि नहीं रह जाती है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

आरोप-प्रत्यारोप

आखिरकार प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया। कथित शराब घोटाला मामले में नौ बार समन भेजने के बाद भी वे पूछताछ के लिए नहीं गए। वे प्रवर्तन निदेशालय के समन को अवैध और राजनीति से प्रेरित बताते रहे। फिर उन्होंने कहा कि अगर ईडी अदालत का आदेश ले आए, तो वे पूछताछ के लिए हाजिर हो जाएंगे। जब उन्हें लगने लगा कि जांच एजेंसियां उन्हें गिरफ्तार कर सकती हैं, तो उन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय में गुहार लगाई कि आम चुनाव तक उनके खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगाई जाए। इस पर अदालत ने कोई फैसला नहीं दिया। इस मौके का फायदा उठाते हुए प्रवर्तन निदेशालय ने उनके आवास पर छापा मारा और कुछ देर बातचीत करने के बाद उन्हें अपने दफ्तर ले गई, फिर गिरफ्तार कर लिया। हालांकि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी की आशंका उसी समय से जताई जा रही थी, जब उन्हें चौथा समन भेजा गया था। खुद आम आदमी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता भी सार्वजनिक मंचों से कहते फिर रहे थे कि केंद्र सरकार अरविंद केजरीवाल को कभी भी गिरफ्तार करवा सकती है। इसी हफ्ते सीबीआइ ने जब कहा कि शराब घोटाला मामले में अभी कुछ और बड़े लोग गिरफ्तार होंगे, तब पक्का हो गया कि केजरीवाल जल्दी ही सलाखों के पीछे होंगे। कथित शराब घोटाले को लेकर पिछले एक-डेढ़ वर्ष से खूब सियासत भी हुई है। आम आदमी पार्टी की सरकार पर आरोप है कि उसने गलत तरीके से नई आबकारी नीति बनाई और भारी रिश्वत लेकर लोगों को शराब के ठेके बांट दिए। इस आरोप में आम आदमी के कई नेता और दिल्ली सरकार के अधिकारी गिरफ्तार हो चुके हैं। भारत राष्ट्र समिति की नेता और केसीआर की बेटी के कविता को भी इस घोटाले में संलिप्तता के आरोप में पिछले हफ्ते गिरफ्तार कर लिया गया। प्रवर्तन निदेशालय का कहना है कि इस पूरे घोटाले के मुख्य षड्यंत्रकारी केजरीवाल हैं। इस तरह उनकी मुश्किलें बढ़ गई हैं। इस मामले के कानूनी पहलू तो अदालत में सुलझेंगे, पर केजरीवाल पर सबसे बड़ा सवाल अपनी जगह बना हुआ है कि आखिर वे इतने समय तक क्यों जांच एजंसियों के सवालों से बचने का प्रयास करते रहे। जैसा कि वे दावा करते न थकते थे कि आम आदमी पार्टी कट्टर ईमानदार पार्टी है और उसके पास कुछ भी छिपाने को नहीं है, तो फिर उन्हें कथित शराब घोटाले में सफाई से क्यों बचते फिरना चाहिए था। क्या वे इस बात से अनजान थे कि प्रवर्तन निदेशालय के समन की अवहेलना से उनके खिलाफ मुकदमा बन सकता है। फिर यह सवाल भी लोगों के जेहन में बना हुआ है कि जब केजरीवाल सचमुच दोषी हैं, उन्होंने ही शराब घोटाले की साजिश रची थी तो प्रवर्तन निदेशालय ने उनकी गिरफ्तारी में इतना समय क्यों लगाया। तीन समन देने के बाद ही उसे उन्हें गिरफ्तार करने का अधिकार था। इसी समय को उसने क्यों चुना, जब लोकसभा चुनाव की तारीखें घोषित हो चुकी हैं। इससे आम आदमी पार्टी का यह तर्क पुख्ता होता जान पड़ता है कि जांच एजंसियों ने केंद्र के इशारे पर केजरीवाल को चुनाव प्रचार से दूर रखने के मकसद से ऐसा किया। मगर इन राजनीतिक आरोपों-प्रत्यारोपों और ईडी की कार्रवाई के बाद भी लोगों के मन में यह भ्रम की स्थिति बनी हुई है कि क्या वास्तव में शराब घोटाला हुआ है और दिल्ली सरकार की उसमें भूमिका है भी या नहीं।

देश में पहली बार 12 भावनाओं पर नृत्य नाटिका

जयपुर. शाबाश इंडिया। वितराग विज्ञान महिला मण्डल द्वारा श्रीमती सुशीला जैन अलवर वालों के निर्देशन में पंडित टोडरमल स्मारक भवन, बापू नगर जयपुर में आयोजित श्री सिद्ध चक्र महामण्डल विधान के अन्तर्गत सायंकाल आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के दोरान जैन जगत में पहली बार 12 भावनाओं पर आधारित नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई ।श्रीमती प्रीति संजय जैन बड़ामलहरा के निर्देशन में सुश्री एनी जैन, अनिका जैन, कृत्ति जैन, जिया अजमेरा, वाणी जैन एवं विशुद्धि जैन ने बहुत मनमोहक भावपूर्ण नृत्य नाटिका प्रस्तुत कर सभी का मनमोह लिया। विधान के मुख्य समन्वयक हीरा चन्द बैद ने बताया कि बीच-बीच में 12 भावनाओं का मार्मिक विवेचन सुश्री स्वाति सेठी शास्त्री एवं स्वाति जैन ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जय जवान कालोनी की श्रीमती सुलेखा शाह ने बहुत ही भावुक मन से सभी बालिकाओं को स्वयं की ओर से पुरस्कार प्रदान किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कीर्ति नगर की श्रीमती सुधा गोधा ने की ।सभी अतिथियों ने सुन्दर प्रस्तुति की बहुत प्रसन्शा की। इसके बाद तो दर्शकों की तरफ से बालिकाओं को पुरस्कार देने की होड़ सी लग रही। कार्यक्रम संयोजक श्रीमती प्रमिला जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया व पुरस्कार देकर बालिकाओं को प्रोत्साहित करने वालों का आभार व्यक्त किया।

अष्टानिका पर्व का सातवां दिनः सिद्ध

अजमेर. शाबाश इंडिया

शांतिनाथ जिनालय ,सर्वोदय कॉलोनी,अजमेर में 9 दिन का सिद्ध चक्र विधान किया जा रहा है जिसमें आज सातवां दिन है, आज सुबह अभिषेक शांति धारा वर्णिक नियम पूजा के साथ विधान कम से कम सात लोग कर रहे हैं। मनीष पाटनी,रेनू पाटनी ने बताया कि पूजा कमल कासलीवाल, सुभाष पाटनी, भागजी बडजात्या, साधना दनगसिय, धनजी लुहाडिया द्वारा संपन कराई जा रही। पूजा में सहयोग सुभाष गंगवाल, नवीन पाटनी ,अशोक सुरलाया, अनिल गंगवाल, महेश गंगवाल अभय जैन, अशोक गोधा कर रहे हैं। सारी व्यवस्था मंत्री विनय गदिया के देखरेख में हो रही है। सांयकाल महाआरती जिनालय से जुड़े परिवारों के द्वारा आ रही है ,आरती के पश्चात सांस्कृतिक प्रोग्राम में मधु जैन के नेतृत्व में अंतिमा गदिया, कनक छाबड़ा, प्रिया पाटनी, गुणमाला गंगवाल रेणु सौगानी, द्वारा कराये जा रहे हैं और अष्टमी और चौदस को आरती के पश्चात भक्तामर स्तोत्र 48 दीपक रिद्धि सिद्धि मंत्रोच्चारण द्वारा किया जाता है।सर्वोदय कॉलोनी जिनालय में प्रथम बार इतने भव्य रूप से अस्थानीका में विधान करा जा रहा है जिसमे सभी परिवार बड़े जोर शोर हर्ष से भाग ले रहे है। आज की महाआरती के पुण्यर्जक परिवार अशोक, चिंतामणि गोधा परिवार थे।

गुरुभक्त सुभाष जी एवं रोहित जी ने प्राप्त किया गुरुमां का मंगल आशीर्वाद

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ, गुन्सी (राज.) की पावन धरा पर विराजमान श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में 1008 दिवसीय श्री जिन सहस्त्रनाम मंगल पाठ का शुभ आयोजन चल रहा है। प्रतिदिन श्री शांतिनाथ चालीसा एवं शांति मंत्र की माला के द्वारा भक्तगण भक्ति, आराधना कर हर्षा रहे है। गुरुभक्त सुभाष पाटनी एवं रोहित बाकलीवाल जयपुर वालों ने पूज्य गुरुमाँ का मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। जिनधर्म की तत्वचर्चा के दौरान गुरुमाँ ने भव्य जीवों को संबोधन देते हुए कहा कि- वर्तमान में व्यक्ति के अंदर की सहनशीलता का अभाव भविष्य जीवन में उज्ज्वलता के अभाव को दशार्ता है। सहनशीलता के अभाव में पुरुष कायरता को प्राप्त कर लेता है। वीर पुरुष वे होते हैं जो संकटों में भी नहीं डरते। कायर पुरुष ही आत्महत्या करता है, वीर पुरुष कभी आत्महत्या नहीं करता है, वह संकटों का सामना करता है। वर्तमान पीढ़ी में सहनशीलता को उद्घाटित करना अत्यंत आवश्यक है। इसी के अभाव में वर्तमान पीढ़ी आत्महत्या का सहारा ले रही है।

रंगों की होली

रंग धरके आहूँ ओ, मैंय ह तोर दुवारी।
कपाट खोले रहिबे न, मारहूँ पिचकारी।।

तोला बलाए बर, मैंय फाग गीत गाहूँ।
झूम-झूम के नाचबो, नगाड़ा बजाहूँ।।
तैंय पहिन के आबे ओ, लाली के साड़ी।
रंग धरके आहूँ ओ, मैंय ह तोर दुवारी।।

लगाहूँ तोर गाल म, मयारू खूब गुलाल।
हिल-मिल के मनाबो, फागुन के तिहार।।
मन ल मोर भा गे हच, बन जा सुवारी।
रंग धरके आहूँ ओ, मैंय ह तोर दुवारी।।

मोर मया के रंग, कभू छुटय नहीं गोरी।
कतको धोले पानी म, खेल के होली।।
गुलाबी देंह दिखे, परसा फूल चिन्हारी।
रंग धरके आहूँ ओ, मैंय ह तोर दुवारी।।

कवि- अशोक कुमार यादव मुंगेली, छत्तीसगढ़
जिलाध्यक्ष राष्ट्रीय कवि संगम इकाई

कुण्डलपुर में मुनि संघों का निरन्तर हो रहा प्रवेश

निर्यापक मुनि श्री अभयसागर जी, निर्यापक मुनि श्री संभव सागर जी, मुनि श्री प्रभातसागर जी ससंघ की हुई अगवानी

कुण्डलपुर. शाबाश इंडिया। दमोह जिले के सुप्रसिद्ध श्री दिगंबर जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर की पावन धरा पर परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य पूज्य निर्यापक मुनि श्री अभय सागर जी ससंघ , पूज्य निर्यापक मुनि श्री संभव सागर जी ससंघ , पूज्य मुनि श्री प्रभात सागर जी, मुनि श्री चंद्रसागर जी , मुनि श्री आनंद सागर जी महाराज ससंघ का मंगल प्रवेश हुआ। कुण्डलपुर कमेटी के प्रचार मंत्री जयकुमार जलज हटा तथा महामहोत्सव की मीडिया समिति के राजेश रागी ने बताया कि इस अवसर पर पूज्य मुनि श्री निर्णय सागर जी ससंघ , पूज्य मुनि श्री विराट सागर जी ससंघ , पूज्य मुनि श्री विनम्र सागर जी ससंघ , पूज्य मुनि श्री विशद सागर जी महाराज ससंघ सभी मुनिराजों का मंगल मिलन हुआ। पूज्य आर्यिकारत्न श्री ऋजु मति माता जी ससंघ अगवानी में शामिल रहीं । कुंडलपुर क्षेत्र कमेटी के पदाधिकारी , सदस्य, ब्रह्मचारी भैया जी ,दीदी जी, कुंडलपुर समाज बड़ी संख्या में यात्रीगण , कुंडलपुर स्टाफ आदि की उपस्थिति रही। स्मरण रहे कि आगामी 16 अप्रैल को आचार्य पद पदारोहण अनुष्ठान महामहोत्सव हेतु आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के समस्त शिष्य साधु साध्वी सम्मिलित होने हेतु देश के कोने कोने से आकर एकत्रित हो रहें हैं।

रिपोर्ट: राजेश जैन रागी वरिष्ठ पत्रकार/रत्नेश जैन बकस्वाहा

जैन मिलन मकरोनिया के चुनाव संपन्न

सुरेश जैन बीज निगम बने चौथी बार अध्यक्ष

मनीष शास्त्री विद्यार्थी. शाबाश इंडिया

सागर। जैन मिलन मकरोनिया क्षेत्र क्रमांक 10 के वार्षिक चुनाव श्री ऋषभदेव जैन धर्मशाला में संपन्न हुए। महावीर प्रार्थना के साथ वर्ष 2024- 25 के चुनाव अधिकारी वीर अजित जैन शिक्षक राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त एवं वीर हेमचंद जैन शिक्षक चुनाव अधिकारी द्वारा विधिवत चुनाव प्रक्रिया कर चुनाव कराया गया । जिसमें वीर सुरेश जैन बीज निगम को लगातार चौथी बार निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया । इसी प्रकार वीर राजेश जैन कोषाध्यक्ष को लगातार चौथी बार कोषाध्यक्ष चुना गया एवं वीर रविंद्र जैन मंत्री लगातार दूसरी बार मंत्री निर्वाचित घोषित किए गए। जिसमें उपस्थित सभी सदस्यों ने अपनी सहमति एवं अनुमोदना करते हुए बधाइयां दी। एवं माला दुपट्टा एवं तिलक लगाकर सभी निर्वाचित सदस्यों का स्वागत किया गया। चुनाव प्रक्रिया में वीर हीरालाल जैन वरिष्ठ समाज सेवी एवं अध्यक्ष ऋषभनाथ देवस्थान मंदिर, वीर महेश जैन एसडीओ राष्ट्रीय संयोजक भारतीय जैन मिलन, वीर वीरेंद्र प्रधान रिटायर्ड मैनेजर , वीर गुलझारीलाल जैन वरिष्ठ समाजसेवी संरक्षक एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य भारतीय जैन मिलन विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। इस अवसर पर वीर मनीष जैन विद्यार्थी क्षेत्रीय संयोजक मीडिया प्रभारी, वीर जिनेश जैन बहरोल वरिष्ठ क्षेत्रीय उपाध्यक्ष, वीर राकेश जैन छुल्ला क्षेत्रीय संयोजक, वीर प्रकाश चंद्र जैन शिक्षक राष्ट्रपति पुरस्कार, वीर राकेश जैन ने अपने विचार रखते हुए वीर सुरेश जैन द्वारा एवं उनके कार्यकारिणी द्वारा पिछले वर्षों मे किए गए कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा की एवं कहा कि लगातार उनके कार्यों एवं कर्तव्य निष्ठा को देखते हुए चौथी बार भी इनको अवसर मिलना चाहिए एवं इनको लगन मेहनत के साथ बिना भेदभाव के कार्य करना चाहिए । हम सभी वीर सुरेश जैन के साथ तन मन धन से साथ में रहकर इनका सहयोग करेंगे। वीर सुरेश जैन ने अपने उद्बोधन में सबको आश्वासन दिया एवं कहा कि जैन मिलन शाखा को सर्वोच्चता प्रदान करने में किसी भी प्रकार की कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी एवं बिना भेदभाव के कार्य किया जावेगा जो सभी आप लोगों के सहयोग से संभव हो पाएगा। इस अवसर पर मुख्य रूप से वीर राजेश जैन कोषाध्यक्ष, वीर रविंद्र जैन मंत्री, वीर निशिकांत सिंघई प्रचार मंत्री, वीर आर के जैन कृषि विस्तार अधिकारी, वीर प्रकाश जैन मोदी मार्बल, वीर अनिल जैन करार्पुर, वीर प्रसून जैन ,वीर अरविंद जैन वीर आलोक जैन बरायठा ,वीर अरुण जैन, वीर इंजी राजीव भारिल्ल, वीर विनोद जैन आवारा, वीर उत्तमचंद जैन, वीर प्रकाश चंद्र जैन, वीर निशिकांत सिंघई, वीर महेंद्र जैन, वीर कोमल चंद्र जैन, वीर महेंद्र जैन मुनीम साहब, वीर अनुपम जैन वीरअखिलेश जैन, वीर चेतन जैन वीर निलेश जैन, वीर पीसी जैन वीर वीरेंद्र जैन, वीर अशोक कुमार जैन, वीर संपत जैन वीर अरुण जैन, वीर पवन मेडिकल वीर संजय दिवाकर, वीर आशीष जैन, वीर मनीष जैन पारस ,वीर अमित जैन गायक हैंडलूम, वीर मनोज जैन ऑटो पार्ट्स, वीर पीके जैन, वीर आलोक जैन, वीर राजेश जैन, वीर सुनील जैन वीरअखिलेश जैन ,वीर राजीव जैन वीर सुमत जैन, वीर राकेश जैन ,वीर आनंद जैन विशेष रूप से उपस्थित थे। जिनकी गरिमा में उपस्थित में नवनिर्वाचित पदाधिकारीयो को घोषित कर सम्मान किया गया एवं निर्देशित किया गया कि शेष कार्यकारिणी अपने स्तर से गठित करें। कार्यक्रम के अंत में आचार्य विद्यासागर महा मुनिराज को विनम्र विन्यांजलि दी गई तथा अंत में अरिहंत स्तुति के साथ वीर रविंद्र जैन मंत्री द्वारा सभी का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की।

कमला नगर जैन मन्दिर में सम्पन्न हुआ लघु आदर्श श्री सिद्धचक्र महामण्डल विधान

आगरा. शाबाश इंडिया

पुष्पगिरी प्रणेता गणाचार्य श्री पुष्पदंतसागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद एवं श्री महावीर दिगम्बर जैन व्यवस्था समिति क मलानगर के तत्वावधान में लघु आदर्श श्री सिद्धचक्र महामण्डल विधान का आयोजन किया गया। 19 मार्च से आगरा के कमलानगर स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर के संत निलय सभागार में आयोजित हुए विधान का समापन 23 मार्च को हुआ। विधान के अंतिम दिन भक्तों ने पंडित मोहित जैन शास्त्री के कुशल निर्देशन में मंत्रोच्चारण के साथ श्रीजी के समक्ष मण्डल पर 2064 श्रीफल अर्पित कर विधान की मांगलिक क्रियाएं सम्पन्न कीं। विधान में मौजूद सभी इन्द्र-इन्द्रणियों ने संगीतकार शशि जैन पाटनी के मधुर भजनों पर नृत्य किया। सौभाग्यशाली भक्तों ने आचार्यश्री पुष्पदंतसागर जी महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया साथ ही मुनिश्री प्रतीकसागर जी महाराज का पाद प्राक्षलन एवं शास्त्र भेंटकर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद सभी इन्द्र-इन्द्रणियों ने विश्व शांति की कामना कर हवन में आहूति देते हुए विधान का समापन किया। विधान के मध्य में मुनि श्री प्रतीक सागर जी महाराज धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि धर्म सरल है मगर उस पर चलना कठिन है। कठिन उनके लिए है जो चलना नहीं चाहते हैं। सहज सरल धर्म का मार्ग जीने के लिए भगवान महावीर स्वामी द्वारा बताए अहिंसा, सत्य, अचौर्य, शील और अपरिग्रह को जीवन में जीने की कोशिश करना चाहिए। एक छोटी सी कोशिश आपको आपकी मंजिल तक पहुंचाने में कारण बनेगी। अगर हम धर्म का ऐसा स्वरूप बनाते हैं तो पूरी दुनिया धर्म का आचरण करने के प्रति स्वयं समर्पित हो जाएगी। तब यह धरती किसी भगवान का मंदिर और तीर्थ बन जाएगी। धर्म सात्विक और पवित्र जीवन जीने का दिव्य मार्ग है। यह केवल नरक से बचाने के लिए यह स्वर्ग पाने के लिए नहीं अपितु मन के विकारों को शांत करने के लिए और कषायों से मुक्ति प्राप्त करने के लिए है। विधान संयोजक मनोज जैन बाकलीवाल ने बताया कि 25 मार्च को मुनिश्री प्रतीकसागर जी महाराज के मंगल सानिध्य में श्री महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर कमला नगर में विराट देव शास्त्र जुलुस एवं तिलक होली महामहोत्सव का आयोजन होने जा रहा है। विधान में प्रमुख पात्र सौधर्म इंद्र-विकास जैन,सारिका जैन, यज्ञनायक- अनुज जैन (क्रांति)आयुषी जैन कुबेर इंद्र-विकास जैन,रुचि जैन, राजा श्रीपाल महारानी मैना सुंदरी-नीलेश जैन स्मृति जैन,चक्रवर्ती विमल जैन, निशी जैन भूमिका निभा रहे हैं। इस अवसर पर प्रदीप जैन पीएनसी, जगदीश प्रसाद जैन, शिखरचन्द जैन सिंघई, मनोज जैन बांकलीवाल,अनिल रईस, अनिल FCI, नरेश जैन लुहाडिया, पारसबाबू जैन,समकित जैन, हरीश जैन, दीपक जैन अभिषेक जैन,समस्त ग्रेटर कमलानगर सकल जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

ऑनलाइन किंडर केयर गुरमत क्विज 27 मार्च को जारी, वैसाखी पर्व पर विजेता घोषित

पोस्टर का हुआ विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

कौन बनेगा गुरसिख बच्चा संस्था(केबीजीबी) द्वारा आयोजित ''22 वीं ऑनलाइन किंडर केयर गुरमत क्विज-2024'' का पोस्टर राज खालसा ऐड् के अध्यक्ष सरदार जसबीर सिंह चावला के मुख्य आतिथ्य में जारी हुआ। जिसमें केबीजीबी संस्था के अध्यक्ष सरदार ओंकार सिंह, क्विज कन्वीनर सुरेंद्र सिंह, केबीजीबी के पूर्व अध्यक्ष दीप सिंह, जसबीर सिंह, राजेंद्र सिंह, गुरिंदर सिंह, डॉ. मंजीत कौर और राज खालसा एड के भाई रतन सिंह शामिल हुवे। संस्था के अध्यक्ष ओंकार सिंह ने बताया कि इस ऑनलाइन क्विज का लिंक 27 मार्च को सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्म- फेस बुक, वॉट्सएप ग्रुप, ट्विटर आदि पर जारी कर दिया जाएगा। क्विज संयोजक सुरेंद्र सिंह ने बताया कि प्रतिष्ठित किंडर केयर गुरमत क्विज खालसा सर्जना पर्व- वैसाखी पर विगत 18वर्षों से लिखित परीक्षा के रूप में होती रही है।कोरोना महामारी के बाद इसे व्यापकता देते हुवे ऑनलाइन कर दिया है। सिख धर्म, इतिहास, गुरबाणी और गुरु साहिबानों की जीवनी से संबंधित इस मल्टी-च्वाइस अंसार प्रश्नोतरी प्रतियोगिता में 6 से 25 साल तक के बच्चों को 4 ग्रुपों में बांटा गया है। धर्म, जाति और लिंग का कोई बंधन नहीं। हर ग्रुप से सही जवाब देने वाले में से 4 बच्चों को रैंडम बेसिस पर विजेता घोषित किया जाएगा। इन 16 बच्चों को किंडर केयर गुरसिख बच्चा ऑफ इंडिया के खिताब से नवाजा जाएगा। विजेताओं को गिफ्ट हैंपर उनके पते पर कोरियर कर दिए जाएंगे। विदेश के प्रतिभागियों को अपना एड्रेस भारत देश का देना होगा। क्विज को सबमिट करने की अंतिम तारीख 8 अप्रैल रखी गई है।विजेताओं के नाम खालसा सर्जना पर्व वैसाखी पर 14 अप्रैल की पूर्व संध्या को जारी होंगे। जयपुर के विजेताओं को वैसाखी वाले दिन जयपुर में ही सम्मानित किया जाएगा।

प्रीति पर्व होली पर

हर छोरी राधा रानी सी

इंजिनियर अरुण कुमार जैन

जब दो ऋतुयों का संगम हो,
न गर्मी -सर्दी मौसम हो,
मन में आशा,उत्साह भरा,
ये चंचल मन न साथ रहा.
पलकें व नयना चंचल हों,
अधरों पर प्यारी थिरकन हों,
उन्नत ललाट पर आभा हो,
रक्तिम कपोल, मधुशाला हो,
ग्रीवा में अद्भुत सी थिरकन,
कोमल बाँहों में स्पंदन,
नर्तन जब हो इन पैरों में,
कुछ प्रीति लगे जब गैरों में.
जब रोम- रोम रोमांच भरे,
राग गर्दभ भी, रसतान लगे.
हर युवा लगे, हो ये कान्हा,
न कोई पराया, बेगाना.
हर गली लगे बरसाना की,
मरुभूमि लगे, है नंदन वन.
हर छोरी राधा रानी सी,
गोबर में सुरभि हो चन्दन.
निश्चित मानो यह होली है,
यह नेह प्रेम की टोली है.
हर मन में अब वृंदावन है,
कान्हा -राधा अब हर इक तन है.

इंजिनियर अरुण कुमार जैनः अमृता हॉस्पिटल फरीदाबाद, हरियाणा #मो.7999469175

सूचना

शाबाश इंडिया समाचार पत्र कार्यालय में 24 एवं 25 मार्च का अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 27 मार्च को प्रकाशित होगा।

-सम्पादक

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

मदनगंज किशनगढ़ से जयकारों के साथ रवाना हुआ 101 यात्रियों का दल

पांच तीर्थंकरों की जन्म भूमि, अयोध्या धाम में विराजित गणिनी आर्यिका ज्ञानमती माताजी ससंघ सहित अनेक धार्मिक स्थलों के करेंगे दर्शन

किशनगढ़, अजमेर. शाबाश इंडिया

प्रसिद्ध समाजसेवी उरसेवा निवासी महावीर प्रसाद,विनोद कुमार, केलास चंद पाटनी परिवार उरसेवा वालों की अगुवाई में धर्म परायण नगरी मदनगंज- किशनगढ़ से 22 मार्च को प्रातः 6 बजे 101 श्रद्धालुओं का एक दल जैन भवन से 2 बसों एवं कारों द्वारा पांच तीर्थंकरों की जन्मभूमि अयोध्याधाम के लिए जयकारों के साथ रवाना हुआ। कार्यक्रम में यात्रा संयोजक कैलाश पाटनी ने बताया कि इसी कड़ी में उक्त यात्रा दल ने आज अतिशय श्री महावीर में जयकारों के साथ प्रवेश किया और वहां पर भगवान महावीर स्वामी के दर्शन कर धर्म लाभ प्राप्त किया। यात्रा संघ में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने शिरकत करते हुए कहा कि क्षेत्र पर विराजित आचार्य अनेकान्त सागर महाराज,मुनि चिन्मयानंद जी महाराज सहित अन्य संघस्थ मुनिराजों के दर्शन करने का भी उक्त संघ ने सोभाग्य प्राप्त किया। मुनिसुव्रतनाथ पंचायत के अध्यक्ष विनोद पाटनी ने बताया कि उक्त यात्रा दल महावीर जी रवाना होकर बाद रात्रि को नेमीनाथ भगवान की जन्मभूमि सौरीपुर बटेश्वर पहुंचा जहां पर सभी यात्रियों ने रात्रि विश्राम किया।तीर्थ यात्रा में साथ जाने वालों मे समाज सेवी महावीर प्रसाद पाटनी, विनोद पाटनी, कैलाश पाटनी, विमल पाटनी उरसेवा निवासी मदनगंज किशनगढ़ वाले,सुभाष बड़जात्या, चेतन पांड्या, भागचंद बोहरा, सुमेर गोधा, निर्मल पांड्या, सुरेश बगड़ा, सुभाष बैद, कमल रांवका, जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा फागी, विमल पांपल्या, अनिल गंगवाल, मुकेश पाटनी, मांगीलाल झांझरी, पारस पांड्या, निर्मल पाटोदी, गौरव पाटनी, प्रवीण सोनी, पदम बड़जात्या, नरेश झांझरी, भागचंद कासलीवाल, अभिषेक छाबड़ा, जिनेन्द्र बोहरा, ओम प्रकाश गोधा, दिलीप काला, प्रदीप गदिया, पन्नालाल बड़जात्या, नरेन्द्र गंगवाल, भागचंद पचेवर, पदम गंगवाल, कमल पहाड़िया, सुभाष चौधरी, महेन्द्र बड़जात्या, कैलाश पाटनी रोकड़िया, मुकेश काला, राकेश मित्तल सहित सभी श्रद्धालु साथ-साथ थे।

दिगम्बर जैन महासमिति पश्चिम संभाग जयपुर द्वारा श्री निर्मल विवेक स्कूल में मंदबुद्धि बच्चों के साथ मनाया होली महोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया। 23 मार्च को दिगंबर जैन महासमिति पश्चिम संभाग जयपुर द्वारा श्री निर्मल विवेक स्कूल में पढ़ने वाले 120 मंदबुद्धि छात्रों के साथ होली उत्सव मनाया गया। श्रीमती रश्मि जैन संयोजक चैरिटेबल कार्य ने अवगत कराया कि इस उत्सव में मंत्री महेंद्र छाबड़ा के साथ डॉ राजेंद्र कुमार जैन, डॉक्टर णमोकार जैन, विनोद बाकलीवाल, राजेंद्र पापड़ीवाल, अशोक जैन चांदवाड, श्रीमती शिल्पी की गरिमामयी उपस्थिति रही इस अवसर पर सभी बच्चों को संभाग के सदस्यों के सहयोग से मिठाई तथा नमकीन वितरित की गई। वहीं डॉक्टर णमोकार जैन ने सभी को गुलाल लगाकर उत्सव का आनंद उठाया। संभागीय मंत्री महेंद्र छाबड़ा ने अवगत कराया की इस महोत्सव में सदस्यों का आर्थिक सहयोग प्राप्त हुआ था। स्कूल के प्रिंसिपल मैनेजर तथा स्टाफ के सदस्यों ने सभी का धन्यवाद प्रेषित किया।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी के प्रवचन से

दान दिया जाता है और त्याग किया जाता है..
दान पर वस्तु का और त्याग स्व विकारों का..!

दान से मन प्रसन्न होता है, और त्याग से चेतना। दान सब करना चाहते हैं, पर त्याग कोई कोई। अज्ञान - अविवेक-भोग-विलासता है,, और ज्ञान - सद-विवेक-त्याग है। त्याग में ठहराव है, और दान में इच्छा-अभिलाषा-प्राप्ति का भाव। दान करना पड़ता है, और त्याग हो जाता है। तब, भीतर का ज्ञान और विवेक सक्रिय होते हैं। त्याग-ज्ञान-विवेक का सहज परिणाम है,, भोग-विलास-अज्ञात मन की सहज परिणति है या बुद्धि का विकार भाव। त्याग में जो भी छूटता है वह निर्मूल्य है, और जो पाया जाता है वह अमूल्य है। क्योंकि हम जो भी त्याग करते हैं, उसमें बहुत कुछ ब्याज सहित मिल जाता है। सच तो यह है कि -- हम बन्धनों को छोड़ते हैं, और पाते हैं मुक्ति। कंकड़ पत्थर को छोड़ते हैं, और पाते हैं रत्नत्रय के हीरे जवाहरात। छोड़ते हैं जहर, और पाते हैं अमृत। अन्धकार को छोड़ते हैं, पाते हैं प्रकाश। छोड़ते हैं मोह, पाते हैं मोक्ष। छोड़ते हैं संसार, और पाते हैं शाश्वत सुख...। **-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

हरिश साइकिल्स के सहयोग से हुई साइकिल राइड

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर के साइक्लिस्टो ने पर्यावरण संरक्षण व होली पर भाई चारे के संदेश के लिए जवाहर सर्किल से रिद्धि सिद्धि हरिश साइकिल्स तक साइकिल राइड का अयोजन किया,जिसमे जयपुर के लगभग 100 साइक्लिस्टों ने बड़ चढ़ कर भाग लिया। इसका अयोजन दिनेश भावनानी, सुनीता ,मोनिका , डाक्टर मोनिया ,डॉक्टर लोकेन्द्र, ने किया। मेडिकल की सुविधा इएचसीसी हॉस्पिटल ने दी। इस राइड को सपोर्ट हरिश साइकिल्स ने किया जिसके राजकुमार व आशीष जैनानी ने कहा जयपुर के साइक्लिस्टो का ये एक अच्छा कदम रहा, जिसमे पर्यावरण संरक्षण , होली के त्यौहार पर भाई चारे का संदेश साथ ही फिटनेस के लिए साइक्लिंग करना । पुरुष, महिला , बच्चे, बुजुर्ग के लिए भी एक अच्छा जरिया है जिसका संदेश दिया, जिसके लिए हरिश साइकिल्स ओर उसकी पूरी टीम जयपुर के साइकिस्टो को बधाई देते है, ओर जयपुर वासियों ने जो सपोर्ट किया उस के लिए आभार किया। इस तरह के आयोजन समय समय पर होते रहने चाहिए, साथ ही सब को होली की शुभकामनाएं।

जैन इंजीनियर्स सोसायटी फाउंडेशन बोर्ड में इंजी. पी सी छाबड़ा महासचिव एवं इंजी. डी एम जैन संयुक्त सचिव पद पर मनोनित

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन इंजीनियर्स सोसायटी फाउंडेशन बोर्ड की दिनांक 21 मार्च, 2024 को इंदौर में आयोजित वार्षिक साधारण सभा की बैठक में जयपुर साउथ चैप्टर के इंजी. प्रेम चंद छाबड़ा को बोर्ड में महासचिव (General Secretary) एवं इंजी. देवेन्द्र मोहन जैन को संयुक्त सचिव (Joint Secretary) पद पर मनोनित किया गया ।इंजी. छाबड़ा व इंजी. जैन का इन पदों पर अप्रैल, 2024 से मार्च, 2026 तक कार्यकाल रहेगा ।जेस फाउंडेशन बोर्ड में प्रथम बार जयपुर से दो पदाधिकारियों को मनोनित किया गया है। जैन इंजीनियर्स सोसायटी इंटरनेशनल फाउंडेशन वर्ष 2002 से पंजीकृत अन्तरराष्ट्रीय संस्था है तथा भारत सरकार से 80 जी, 12 ए , सीएसआर व एफसीआरए में स्वीकृत है ।वर्तमान में संस्था के देश विदेश में 38 चैप्टर कार्यरत हैं ।इंजी. छाबड़ा एवं इंजी. जैन के मनोनयन पर जेस जयपुर साउथ चैप्टर के अध्यक्ष इंजी. डी के जैन एवं सचिव इंजी. पी के जैन के साथ समाज के अनेक गणमान्य नागरिको ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाए दी ।

जांगिड़ ब्राह्मण युवक युवति सम्मेलन बुधवार 27 मार्च को-हुआ पोस्टर विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया। करुणानिधि सेवा ट्रस्ट राजस्थान के तत्वावधान में श्रीराम जांगिड़ विकास समिति द्वारा बुधवार 27 मार्च 2024 को जांगिड़ ब्राह्मण समाज का युवक-युवति परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर विभिन्न आयोजन होंगे। ट्रस्ट अध्यक्ष जगदीश प्रसाद जांगिड़ व समिति अध्यक्ष सुरेश जांगिड़ ने बताया कि सामुदायिक केन्द्र सायपुरा सांगानेर जयपुर में होने वाले इस युवक-युवती परिचय सम्मेलन का प्रातः 11.00 बजे से शुभारम्भ होगा। समिति के मनोज कुमार राधा किशन एवं रामबाबू जांगिड़ के मुताबिक इस मौके पर दीप प्रज्जवलन, गणपति पूजन, विश्वकर्मा पूजन, अतिथि सम्मान एवं समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों का परिचय सत्र के बाद सायंकाल 4.15 बजे से वात्सल्य सहभोज होगा। श्री जांगिड़ ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा आगामी 9-10 मई को सांगानेर सायपुरा के होम्योपैथिक विश्वविद्यालय के सामने स्थित शिव मंदिर परिसर में समाज का प्रथम जांगिड़ ब्राह्मण सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। शनिवार को परिचय सम्मेलन एवं सामूहिक विवाह के फ्लेक्स एवं बहुरंगीय पोस्टर का विमोचन किया गया। इस मोके पर ट्रस्ट अध्यक्ष जगदीश प्रसाद जांगिड़, समिति के सुरेश जांगिड़, मनोज कुमार, राधा किशन एवं रामबाबू जांगिड़ सहित बडी संख्या में समाज बन्धु उपस्थित रहें।

संघठन मे शक्ति है बिना संघठित हुये समाज उन्नति नहीं कर सकता है : प्रवर्तक सुकनमुनि महाराज

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

जालोर। संघठन मे शक्ति होती है। शनिवार को प्रताप चौक ओसवाल सिंह सभा में संत शिरोमणी प्रवर्तक सुकनमुनि महाराज ने विशाल धर्मसभा मे सकल जैन के श्रध्दालूओ को धर्म उपदेश प्रदान करतें हुयें कहा कि संघठित परिवार समाज संस्था कभी असफल नहीं होतें है।आपसी आत्मीयता,प्रेम,स्नेह, वात्सल्य और एक दूसरे को सहयोग की भावना से संघ समाज उन्नति करता है और व्यक्ति आगें बढ़कर अपनी ख्याति बढ़ा सकता है समाज के बड़े, छोटें के प्रति स्नेह और सहयोग का भाव रखें तो समाज के कार्य उत्साह और उमंगता से संपन्न हो जायेंगे.और राग-द्वेष की भावना जन्म नही ले सकती है।संघठन के बिना समाज का कल्याण उत्थान नहीं हो सकता है एकता मे वो शक्ति है जिससे नामुमकिन कार्य सहज हो जाते है। डॉ.वरुण मुनि ने कहा कि जो व्यक्ति भाग्य के भरोसे बैठा रहता है वह जीवन मे कुछ भी हासिल नहीं कर सकता है।पुरूषार्थ करने पर ही जीवन मे सफलता मिलती है। और लक्ष्य हासिल कर सकता है।अगर व्यक्ति धैर्य नही रखेगा तो वह अपने लक्ष्य से भटक करके असफलता प्राप्त करेगा।उपप्रवर्तक अमृतमुनि युवाप्रणेंता महेश मुनि बालयोगी अखिलेश मुनि महामंत्र नवकार का पाठ करवा करके धर्मसभा का शुभारंभ करवाया।इसदौरान सकल जैन समाज के अध्यक्ष रमेशचंद भंडारी ने धर्मसभा पधारे गणमान्य अतिथियो मे किशोर चौधरी, प्रकाश मोदी,अशोक चौधरी दिनेश चौधरी, हुक्मराज भंडारी,गौतम मूथा,धनपत मूथा हेमन्त पारख,धनपतराज मेहता, जसंवत जाणिकार,दशरथ चौधरी,गौतमचंद हुक्मीचंद, ललित कुमार छत्तरगोता आदि गणमान्य पदाधिकारियों के साथ सोजत चातुर्मास शिष्ट मंडल के ललित पंगारिया राजेश कोरिमूथा, पदमचंद धोका गौतम धोका आदि सभी का रमेशचंद्र भंडारी ने अभिनन्दन करते हुये समान किया और गौतम प्रसादी का लाभ लिया। दोपहर डॉ वरूण और बालयोगी अखिलेश मुनि ने जैन स्थानक आचार्य रघुनाथ स्मृति भवन मे सामूहिक रूप शांति जाप करवाया गया जिसमे जैन समाज भाई बहनों भाग लिया और शांति जाप किया। रविवार को होली पर विषेश धर्मसभा लोड़ी न्यात कख नौहरा लाड़जी बाबा चौक में प्रातः 9 : 00 बजे से 11 बजे तक जैन संतो रखी गई ।

लायंस क्लब जयपुर स्पार्क द्वारा बस्ती के बच्चों के साथ इको फ्रेंडली होली खेली

जयपुर. शाबाश इंडिया

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल द्वारा श्री जी नगर सांगानेर की एक बस्ती के बच्चों के साथ इको फ्रेंडली होली का आयोजन किया किया गया, जिसमे बच्चों को आर्गेनिक गुलाल, पिचकारी,बिस्किट, कुरकुरे व संतरे वितरित किये गए।बच्चो को होली की स्टोरी सुनाई व प्रश्न पूछे गए।उक्त कार्यक्रम क्लब अध्यक्ष ला. रानी पाटनी द्वारा सम्पन्न किया गया।

लुभाती है कैनवास प्रिंट पर ड्राई पेस्टल कलर से निखरे कमल की प्रदर्शनी 'पदमः'....

उदयपुर. शाबाश इंडिया। गुजरात ललित कला अकादमी द्वारा प्रायोजित वडोदरा की प्रतिभाशाली कलाकार अवनी शाह की 'पदमः' शीर्षक चित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ शनिवार को हुआ। पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, बागौर की हवेली कलादीर्घा में इस चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन ख्यात मूर्तिकार हेमंत जोशी, केंद्र कार्यक्रम संचालक हेमंत मेहता और पवन अमरावत, ख्यात फोटोजर्नलिस्ट राकेश शर्मा 'राजदीप' और इंस्पिरिट आर्ट गैलरी के संस्थापक व चित्रकार डॉ. निर्मल यादव ने दीप जलाकर किया। गौरतलब है कि कलाकार अवनी शाह ने प्रदर्शित चित्रों में कमल आकृति श्रृंखला के 50 से अधिक चित्रकृतियों को कैनवास प्रिंट पर ड्राई पेस्टल से रंगों को संयोजित कर आमजन की नजर पेश किया। देश भर में भ्रमण के दौरान जहां कहीं अवनी को पानी में खिले कमल के रूप रंगत ने आकर्षित किया वहीं उनकी आंख ठहरी और फिर कैमरे की स्मृति को नया रूप देने के प्रायोजन से उन्होंने ड्राई पेस्टल कलर ट्रीटमेंट दिया। उद्घाटन अवसर पर डॉ. शाहिद परवेज, डॉ. चित्रसेन, राहुल माली, भावेश सुथार, सुनील निमावत, प्रभु गमेती, अमित सोलंकी, तुलसी खोकर, गीत यादव, जाग्रति पवार, प्रवीण भटनागर, के के लखारा के साथ अन्य कई कला प्रेमी और विदेशी पर्यटक मौजूद रहे। बता दें, प्रदर्शनी 24 मार्च रविवार को भी आमजन के लिए निशुल्क खुली रहेगी। **-रिपोर्ट/ फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'**

दुर्गापुरा जैन मंदिर में विधान का हो रहा आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन मंदिर चंद्रप्रभु जी दुर्गापुरा में शनिवार दिनांक 23.03.2024 को पंडित ऋतिक जी जैन शास्त्री ने मधुर स्वर में प्रातः अभिषेक शांतिधारा के पश्चात नंदीश्वर दीप महामंडल विधान पूजा में पश्चिम दिशा के तीन एवं उत्तर दिशा के तीन जिनालयों की पूजा बड़े भक्ति भाव से कराई गई।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया वैशाली नगर पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव की पत्रिका का विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया। वैशाली नगर के नर्सरी सर्किल स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर के प्रथम तल पर नवनिर्मित जिनालय का श्रीमज्जिनेन्द्र महावीर जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव विश्व शांति महायज्ञ आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज के ससंघ के पावन सानिध्य में 27 मार्च से 1 अप्रैल तक वैशाली नगर के गांधी पथ स्थित जानकी पैराडाइज में आयोजित होगा। इस आयोजन के लिए शनिवार को पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के पदाधिकारियों ने उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी से भेंट कर पत्रिका का विमोचन कराया और उनको महोत्सव में पधारने के लिए आमंत्रित किया, जिस पर उन्होंने अपनी पूर्ण सहमति देते हुए आचार्य श्री से आशीर्वाद प्राप्त करने की भावना व्यक्त की। इस अवसर पर आयोजन समिति के राजेश पाटनी, प्रवीण बड़जात्या, विशाल जैन, प्रशासनिक समन्वयक भारत भूषण जैन, युवा महासभा की पूनम चाँदवाड़,आलोक जैन,विपुल जैन,हर्षिता जैन व मेनका जैन मौजूद रहे। आयोजन की तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही हैं। आयोजन के बारे में जानकारी देते हुए पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के अध्यक्ष गजेंद्र बडजात्या ने बताया कि 27 मार्च को आचार्य श्री सुनील सागर जी का भव्य मंगल प्रवेश वैशाली नगर में होगा एवं साथ ही एक भव्य घट यात्रा का आयोजन किया जाएगा जिसमें लगभग 2हजार से ज्यादा महिलाएं भाग लेंगी।

विदेशी डाक टिकटों पर फागोत्सवः भारत सरकार भी करे पहल

उदयपुर. शाबाश इंडिया

फागोत्सव हमारे देश के प्रमुख त्योहारों में से एक है। एक पौराणिक कथानुसार रूप और सौंदर्य के देवता कामदेव के पुत्र हैं बसंत। कामदेव के घर पुत्र उत्पत्ति के अवसर पर रंगों का पर्व फागोत्सव या होली मनाया जाता है। दरअसल, रंगों का यह पर्व होली केवल हमारे देश में ही नहीं वर-विश्व के कई अन्य देशों में भी हर्षोल्लास से मनाया जाता है। यह तो विदित है ही कि दुनियां भर में भारतीय त्योहारों पर डाक टिकट भी जारी किए गए हैं। मसलन, दक्षिण अमेरिका के राष्ट्र गुयाना ने फागोत्सव पर चार डाक टिकटों का बहुरंगी सेट जारी किया था। बता दें, ये सेट उदयपुर के डाक टिकट संग्रहकर्ता मेवाड़ फिलेटली सोसाइटी

के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. विनय भाणावत के संग्रह की शोभा हैं। डॉ. भाणावत बताते हैं कि 26 फरवरी 1969 को गुयाना सरकार द्वारा जारी इस सेट पर 'फगवा फेस्टिवल 1969' अंकित है। इसका मुद्रण लंदन की पर्किंस बेकिंस लिमिटेड द्वारा लिथौग्राफी प्रणाली से किया गया तथा इसकी डिजाइन जे ई कूटर ने तैयार की थी। फागोत्सव पर विश्व में जारी इन चारों डाक टिकटों की विशेषता यह रही कि इनकी बिक्री महज तीन महीनों तक ही की गई, यानी 25 मई 1969 के बाद इन्हें बेचना बंद कर दिया गया। ये चारों डाक टिकट क्रमशः 6, 25, 30 और 40 सेंट मूल्य वाले हैं। इनमें 6 और 30 सेंट मूल्य वाले डाक टिकट पर कृष्ण पिचकारी से राधा पर रंग डाल रहे हैं, वहीं दूसरे दो डाक टिकट पर रंग डालते कृष्ण को राधा रोकती अंकित है। कितने अफसोस की बात है कि होली जैसे मस्ती भरे पावन पर्व पर यहां की किसी भी सरकार ने अब तक डाक टिकट जारी करने के बारे में विचार तक नहीं किया है। **-रिपोर्ट/ फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'**

मंदिरों का जीर्णोद्धार आवश्यक है उसी प्रकार समाज का जीर्णोद्धार भी जरूरी हैः आचार्य सुनील सागर महाराज

मुनि संघ ने किया भव्य स्वागत, राणा जी की नशिया चूलगिरी में मानस्तम्भ प्रतिष्ठा हेतु आचार्य संघ हुआ मंगल आगमन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर के पूर्वी सिंह द्वार स्थित अतिशय क्षेत्र चूलगिरी राणा जी की नसिया पर दिगंबर जैन आचार्य सुनील सागर महाराज ससंघ का मंगल पदार्पण हुआ तो मंदिर समिति पदाधिकारियों द्वारा भव्य अगवानी की गई तो वही आचार्य सुनील सागर महाराज ने कहा कि जिस प्रकार मन्दिरो व मानस्तम्भों का जीर्णोद्धार जरूरी है उसी प्रकार समाज का जीर्णोद्धार भी आवश्यक है जिससे युवाओं को सही दिशा मिल सके। मन्दिर प्रांगण में आचार्य ने कहा कि जिस प्रकार दूध का मंथन होता है तब मक्खन की प्राप्ति होती है उसी प्रकार विचारों का मंथन होता है तभी नवनीत की प्राप्ति होती है उन्होंने चेताते हुए कहा की पुरखों के सद्गुणों को जानना भी चाहिए है और निभाना भी चाहिए, हमें पुरखों ने बड़ी सौगात प्रदान की है उनका संरक्षण संवर्धन होना अति आवश्यक कार्य है। लक्ष्मी भी पुण्य की दासी होती है अतः लक्ष्मी के पीछे नही पुण्य के पीछे लगो अर्थात पुण्य की क्रियायों में भी समय व्यतीत करो लक्ष्मी स्वयं चली आएगी। भक्ति करो फल मिलता है आज नहीं तो कल मिलता है। इस अवसर पर उपाध्याय शशांक सागर महाराज ने भी सभा को संबोधित किया और कहा कि यह जयपुर नगरी का बड़ा ही पुण्य है जो स्वयं सागर चलकर पुनः यहां पधारे हैं। आगामी 3 अप्रैल को प्रथमेश भगवान आदिनाथ का जन्म कल्याणक संपूर्ण जैन समाज को धूमधाम के साथ मनाना चाहिए। आचार्य विमल सागर महाराज दीक्षा दिवस आचार्य विमल सागर महाराज के 72 वें दीक्षा दिवस पर आचार्य ने कहा कि कोसमा की धरती पर कटोरी से जन्मे सागर ने संपूर्ण भारत को जैनत्व का भान कराया तो विहारी लाल के पुत्र ने पद विहार कर अनेको तीर्थो की वंदना की। इस अवसर पर धर्म जागृति संस्थान के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री संजय जैन बड़जात्या कामां ने भी विचार प्रकट करते हुए कहा कि प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ की जन्म जयंती का भी सरकार द्वारा अवकाश घोषित किया जाए। जग्गा की बावड़ी के मंत्री सुनील बख्शी ने बताया कि प्रातः शांति कुमार ममता सोगानी के फार्म हाउस से जग्गा की बावड़ी के वासुपूज्य भगवान के दर्शन करने के बाद खानिया पेट्रोल पम्प के पास मुनि संघ प्रबंध समिति द्वारा संघ का भव्य स्वागत व पंचामृत से पाद प्रक्षालन किया गया जिसमे ओम काला मुकेश जैन राजेश गंगवाल रमेश पाटोदी सहित धर्म जागृति संस्थान राजस्थान प्रान्त व जयपुर की विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही । सभी ने विहार में साथ चलकर, जयकारों के उद्घोष के साथ संघ का राणा जी की नसिया में मंगल प्रवेश कराया जहाँ आचार्य श्री ने सभी को आशीर्वाद दिया ।

वर्षीतप आराधकों के सम्मान में चौबीसी का आयोजन

तपस्वी रूचिकाजी म.सा. को श्रीसंघ ने समर्पित की आदर की चादर, श्री जैन दिवाकर महिला परिषद द्वारा खातरमहल में आयोजन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

चित्तौड़गढ़। धर्मनगरी चित्तौड़गढ़ में पूज्य प्रवर्तक विजयमुनिजी म.सा., महासाध्वी मधुकंवरजी म.सा., महासाध्वी मणिप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा के सानिध्य में श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संस्थान खातरमहल के तत्वावधान में आयोजित होली चातुर्मास के तहत शनिवार दोपहर श्री जैन दिवाकर महिला परिषद द्वारा वर्षीतप आराधकों की तप अनुमोदना में चौबीसी का आयोजन किया गया। इसके माध्यम से वर्षीतप आराधक तरूण तपस्वी साध्वी रूचिकाजी म.सा. एवं वर्षीतप कर रहे श्रावक-श्राविकाओं के तप की अनुमोदना की गई। परिषद की अध्यक्ष श्रीमती अंगूरबाला भड़कत्या के अनुसार चौबीसी कार्यक्रम के दौरान साध्वी मणिप्रभाजी म.सा., साध्वी सुमनप्रभाजी म.सा.,साध्वी चिंतनश्रीजी म.सा. आदि ने तीर्थंकर स्तुति भजन सुनाए। जिन तपस्वियों का महिला परिषद द्वारा बहुमान किया गया उनमें सुश्राविका सुशीला छाजेड़, रंजना बोहरा, रंजना रामपुरिया, शशिकला कच्छारा, अंजना पोखरना, लीला लोढ़ा, सुश्रावक माणक सिपानी, लक्ष्मीलाल लोढ़ा, झमकूलाल लोढ़ा आदि शामिल थे। कार्यक्रम में मौजूद श्राविका पुष्पा मेहता, पुष्पा नाहर, मनोहरदेवी मोदी, ललिता चौपड़ा आदि ने छोटे-छोटे तप त्याग के प्रत्याख्यान लेकर श्री जैन दिवाकर महिला परिषद की ओर से तपस्वियों का बहुमान किया। श्रीसंघ द्वारा तपस्वी रूचिकाजी म.सा. को आदर की चादर समर्पित की गई। आदर की चादर श्रीसंघ के अध्यक्ष अशोक मेहता, मंत्री सुनील बोहरा, संरक्षक हस्तीमल चौरड़िया आदि पदाधिकारियों ने समर्पित की। इस चादर को महिला परिषद की पदाधिकारियों ने पूज्य साध्वीजी को ओढ़ाकर उनकी तप साधना की अनुमोदना की। यशवेणी संस्थान के छोटूलाल सुराणा, उर्मिला सुराणा, माया सेठिया, संगीता सेठिया आदि पदाधिकारियों ने भी तपस्वियों का सम्मान किया। महिला परिषद की स्मिता तरावत एवं नीलम तरावत ने तप का महत्व बताने वाली लघुनाटिका की प्रस्तुति दी। सुश्रावक मदनलाल मेहता एवं सागरमल सुराणा ने भी तीर्थंकर स्तुति पर भजन सुनाए। संचालन परिषद की महामंत्री नगीना मेहता ने किया। आभार परिषद की अध्यक्ष अंगूरबाला भड़कत्या ने जताया। इस मौके पर महिला परिषद की संरक्षक सोहनदेवी चीपड़, आशा चीपड़,ललिता चीपड़, चंदनबाला महिला मण्डल की अध्यक्ष दिलखुश खैरोदिया आदि मौजूद थे। आयोजन को सफल बनाने में महिला परिषद की कोषाध्यक्ष सीमा सिपानी, नीमा मेहता, खुश्बू बोहरा, सुरेखा मेहता, स्वाति छाजेड़, पदमा पगारिया, शशि सुराणा, संगीता चीपड़, अंजना गोखरू,अरूणा जैन, रेखा मेहता, हेमा बोहरा आदि ने भी सहयोग किया। **प्रेषकः निलेश कांठेड़**

बिलाला परिवार ने किया आचार्य श्री वसुनंदी जी महामुनिराज के पाद प्रक्षालन

जयपुर. शाबाश इंडिया। शनिवार को प्रातः नोएडा सेक्टर 50 में प्रवासरत आचार्य श्री वसुनंदी जी महामुनिराज के पाद प्रक्षालन व आशीर्वाद का सौभाग्य तथा शाम को आरती एवं पारितोषिक पुण्यार्जक का सोभाग्य पहुप ,रुचिका, अदिश, आदिवा बिलाला परिवार जनकपुरी जयपुर वालों को प्राप्त हुआ।

खुद को आंकने का खूबसूरत जरिया है थिएटरः राकेश बेदी

विश्व रंगमंच सप्ताह की विशेष सीरीज में मिलिए अभिनेता राकेश बेदी से

उदयपुर. शाबाश इंडिया। सैंकड़ों फिल्में, दर्जनों सीरियल्स और अपने एक से बढ़कर एक नाटकों के हजारों शोज करने वाले हरफनमौला अभिनेता राकेश बेदी रंगमंच पर आज भी सक्रिय हैं। तकरीबन 48 साल से थिएटर को समर्पित बेदी का मानना है कि थिएटर खुद को आंकने का एक बेहतरीन जरिया है।जो बहुत थोड़े से अभ्यास से ही आपको बहुत ज्यादा दे देता है। क्योंकि थिएटर सिर्फ.आपकी शाम मांगता है। इप्टा के साथ थिएटर की शुरूआत करने वाले राकेश बेदी ने फिल्म एंड टेलिविजन इंस्टीट्यूट, पुणे से अभिनय का विधिवत प्रशिक्षण भी लिया है और रुपहले पर्दे पर अपनी कॉमिक टाइमिंग से कॉमेडी की दुनिया में एक बड़ा मुकाम हासिल किया है। कॉमेडी किंग चार्ली चैपलिन को अपना आदर्श मानने वाले इस अभिनेता ने जहां एक तरफ संजीव कुमार, फारूक शेख और नसीरुद्दीन शाह जैसे मंझे हुए थिएटर एक्टर्स के साथ चश्मे बद्दूर व जाने भी दो यारो जैसी लाजवाब फिल्में की हैं तो दूसरी ओर स्वलिखित एवं निर्देशित मसाज व पत्ते खुल गए जैसे नाटकों के जरिए अपने रंग प्रेमियों को आज भी गुदगुदा रहे हैं। बेदी कहते हैं कि अभिनय के क्षेत्र में आने वाले नए लोगों को दिखावे में अपना समय बर्बाद करने की बजाय, खूब थिएटर करना चाहिए। क्योंकि थिएटर एक अभिनेता को अभिनय के सभी रंगों से रूबरू करवाता है। सरकार के संदर्भ में बोलते हुए ये कहते हैं कि देश में रंगकर्म को बढ़ावा देने के लिए सरकार को चाहिए कि थिएटर की इनकम पर टैक्स न हो। रंगकर्मियों को उचित कीमत पर अच्छे ऑडिटोरियम उपलब्ध करवाये जाएं ताकि नई पीढ़ी में नाट्य विधा और अधिक विकसित हो। रंगकर्म के सच्चे सेवक एवम्‌ नई पीढ़ी की उंगली थाम कर उसे रंग पथ पर आगे बढ़ाने वाले इस प्रेरक व्यक्तित्व की ओर से, रंगमंच दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं।

ओमपाल सीलन,
फिल्म पत्रकार एवम समीक्षक।

अजमेरी गेट पर फाग उत्सव की धमाल

जयपुर. शाबाश इंडिया। पिपलेश्वर महादेव मंदिर अजमेरी गेट पर होली के अवसर पर आयोजित फाग उत्सव का लोगों ने आनंद लिया। कार्यक्रम संयोजक मुकेश सोनी ने बताया कि शेखावटी ग्रुप की ओर से लगभग 30कलाकार पसली को दर्द म्हानै मार गयो रे, मिठो मिठो दर्द उठे नस नस दुःखे म्हारी कमर पर जब चग और ढप पर संगीत बजने लगा तो लोग झूम उठे ।

नेट थियेट पर फागनृत्य की धूम

मै ना मानूगीं रे तोरी बतियां

जयपुर। नेटथियेट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज कथक नृत्य अकादमी की ओर से कथक गुरू अभिलाषा जैन के निर्देशन में फागनृत्य ने जमाया होली का रंग। नेटथियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि कथक नृत्य अकादमी की छात्राओं द्वारा कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना से की। इसके बाद शुद्ध जयपुर कथक में आमद चक्करदार तोडे, तिहाईयां, चक्करदार परणें, लडे से साकार किया। कथक के साथ-साथ कलाकारों ने होली का रंग जमाते हुये होलिया में उडे रे गुलाल का मस्ती भरा नृत्य कर सभी को झूमने पर मजबूर किया। इसके बाद धूम मची होरी वृंदावन मै कैसे होरी खेलूंगी गीतों पर नृत्य किया और अंत में राधाकृष्ण की फुलों की होली ने मनमोहक रंग से दर्शकों को होली के रंगो से सरोबार किया। कार्यक्रम में कलाकार विदुषी, अनन्या, श्रेया, ऐश्नी, अवनी, ऋषिमा, आन्या, सोनाक्षी, तविशी, निश्का, वाणी, दहुश्री, सिद्धि, वान्या, वैष्णवी ने जितनी खूबसूरती के साथ जयपुर कथक को प्रस्तुत किया उतनी मनमोहकता के साथ होली नृत्यों को पेश किया। कार्यक्रम संयोजक नवल डांगी और कैमरा मनोज स्वामी, संगीत सागर विनोद गढवाल, प्रकाश तपेश, मंच व्यवस्था रेणू सनाढ्य, अंकित शर्मा और जीवितेश शर्मा की रही।

Shri Mahaveer College

SHRI MAHAVEER COLLEGE, JAIPUR
अहिंसा परमो धर्मः

(Affiliated to the University of Rajasthan, Jaipur)
A Co-Educational English Medium PG College
Mahaveer Marg, C-Scheme, Jaipur

ADMISSION OPEN SESSION 2024-25

BVA (Bachelor of Visual Arts)
- APPLIED ARTS
- PAINTING
- SCULPTURE

BA (Bachelor of Arts)
ECONOMICS | ENGLISH LITERATURE | GEOGRAPHY
HINDI LITERATURE | HISTORY | POLITICAL SCIENCE
PSYCHOLOGY | PUBLIC ADMINISTRATION
SOCIOLOGY | STATISTICS

B.Com (Pass) | **B.Com** (Hons.-ABST) | **M.Com** (ABST) | **M.Com** (HRM)
BCA | **BBA** | **M.Com** (EAFM)

PROUDLY ANNOUNCES
MBA & MCA Programmes*

SCHOLARSHIP CATEGORIES
- Meritorious Students
- Sports Players
- Jain Community Students
- MPS & SMDJ School Students
- Soldier's Children
- Martyr's Children
- Girl Students

Hostel facility Available
for Jain Students

SKILL DEVELOPMENT COURSES
- Tally ERP
- US CMA
- Web Designing
- BSE Certification
- App Development
- Digital Marketing
- Graphic Designing
- Advance Excel Program

MAHAVEER CIVIL SERVICES ACADEMY (MCSA)
A UNIT FOR IAS/RAS/OTHER COMPETITIVE EXAMS

Why SMC ?
- Qualified and Experienced Faculty
- Latest Teaching Pedagogy
- Enriched Library
- Technology upgraded Computer Labs
- Air-conditioned Class Rooms
- CCTV Surveillance 24x7
- Audio-Visual Room
- Contemporary Auditorium
- Excellent Placement Opportunities
- Phenomenal Sports Facilities
- Modern Gymnasium
- Cafeteria with Lush Green Garden

*Subject to Affiliation from AICTE & RTU, Kota

The admission form can be obtained from the College office/download from the website
Decision of Management will be final for sanctioning the scholarship

For more details contact: **0141-2372139, 8955840261**
Website: **www.shrimahaveercollege.org** | E-mail: **shrimahaveercollege@gmail.com**